समय पर समझदारी

THE Coca-Cola FOUNDATION

SEHGAL FOUNDATION

छह प्रश्नों द्वारा संवाद बने प्रभावी

इस चित्र में क्या हो रहा है?
What is happening in this picture?

ऐसा क्यों हो रहा है?
Why is this happening?

इसका क्या अंजाम हो सकता है?
What could be the consequences?

इस स्थिति में आपने क्या किया था?
What did you do in this situation?

इस स्थिति की मूल समस्या क्या हो सकती है?
What is the root cause of this problem?

आज इस स्थिति में हम क्या करेंगे?
What will you do if you are in this situation today?

समय पर समझदारी

पानी - हमारे दादा-दादी ने जिसे नदी में देखा!

- एक समय था जब पानी की व्यवस्था व देखरेख समाज स्वयं करता था।
- पानी की कमी की वजह से किसी भी क्षेत्र से पलायन नहीं हुआ करता था।

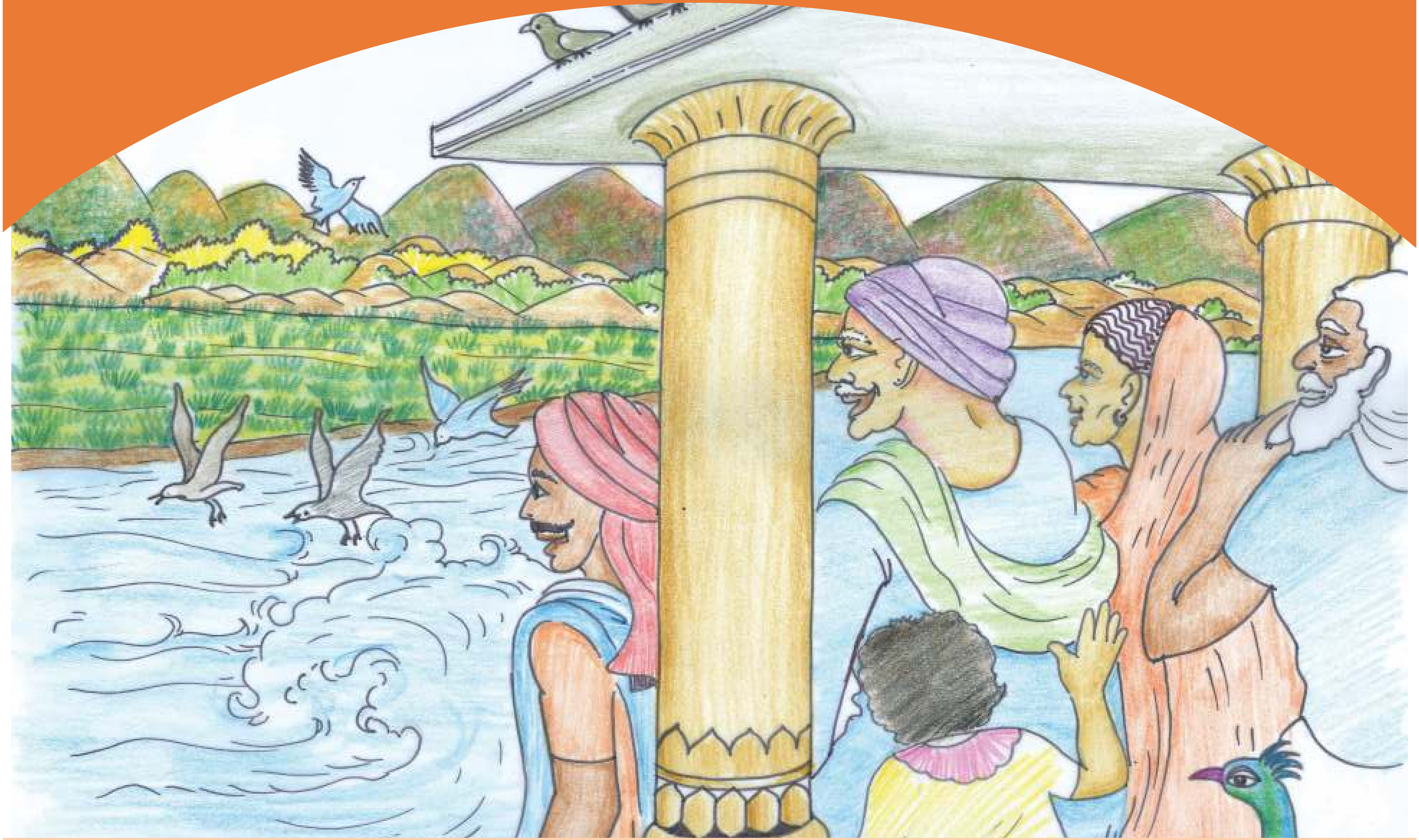

पानी-
हमारे माता-पिता ने कुएँ/पोखर में देखा!

- पानी की देखरेख समाज स्वयं करता था।
- बरसात से पहले पानी के स्रोत की सफ़ाई, नियमित मरम्मत इत्यादि सभी काम समाज स्वयं करता था।
- कुओं में पानी इसलिए कम हुआ क्योंकि लोग सब्जियां उगाने लगे। सब्जियों में अतिरिक्त पानी की जरूरत होती है। परिणाम यह हुआ कि गांव के कुएँ/पोखर सूख गए।
- आज पोखर में गांव का गन्दा पानी इकट्ठा होने लगा।

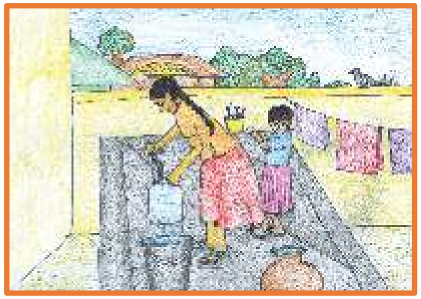

पानी - अब नलों में दिखता है

- अंग्रेज़ आए और उन्होंने कहा कि पानी उपलब्ध करवाना अब राज्य की ज़िम्मेदारी है। हम नल के जरिए घर–घर पानी पहुंचाएंगे।
- अब पानी के स्रोतों पर भी राज्य की मलकीयत हो गई।
- समुदाय द्वारा स्थापित व्यवस्था ठप्प हो गई और पानी के स्रोत सूख गए।

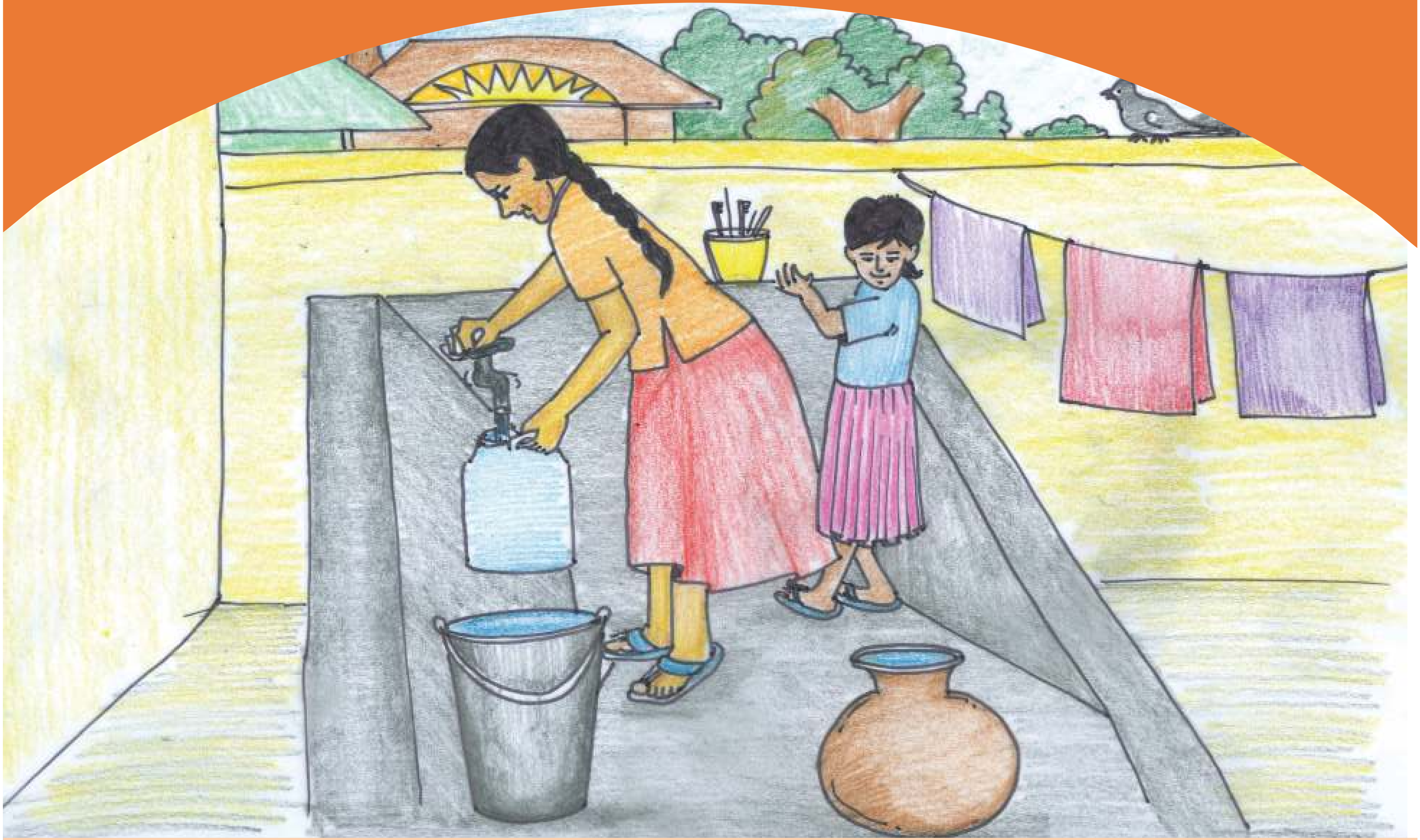

पानी - आज बोतल में भी दिखता और बिकता है।

- आज से पहले भारत में प्रति व्यक्ति 5177 घन लीटर पानी उपलब्ध था। आज प्रति व्यक्ति 1869 क्यूबिक लीटर पानी उपलब्ध है।
- वैज्ञानिक यह बताते हैं कि पानी की यह उपलब्धता जब 1700 क्यूबिक लीटर से नीचे जाएगी तो हमारे देश में पानी का संकट प्रारंभ हो जाएगा।

किराना स्टोर

पानी के साथ रिश्ता जोड़े

- भारत के हर कोने में इतनी बरसात होती है कि कोई कारण नहीं कि देश के किसी भी भाग में पानी की कमी हो।
- पानी की कमी से सूखा नहीं पड़ता बल्कि पानी के साथ रिश्ते की कमी से सूखा पड़ता है।
- पानी के प्रति समाज में कोई दर्द नहीं बचा। पानी की संस्कृति पुनर्जिवित करने की जरुरत है।

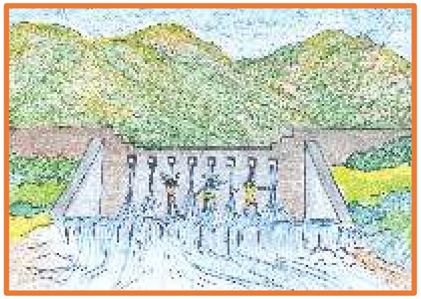

पानी की ज़रूरत को पूरा करने के लिए डैम बनाने की सोच अच्छी है पर गौर करें कि...

- डैम बनाना प्रारंभ करने से पूर्व गांव को सब्जियों को छोड़ कर किसी ऐसी फ़सल बोने पर विचार करना होगा जिसमें पानी की ज़रूरत कम होती है।

- डैम बनने से उपलब्ध होने वाले जल के अनुसार ही फसलों का निर्णय करना होगा। अगर लोग इस बात पर राज़ी नहीं होते तो इस गाँव में छोटा बांध बनाना व्यर्थ होगा।

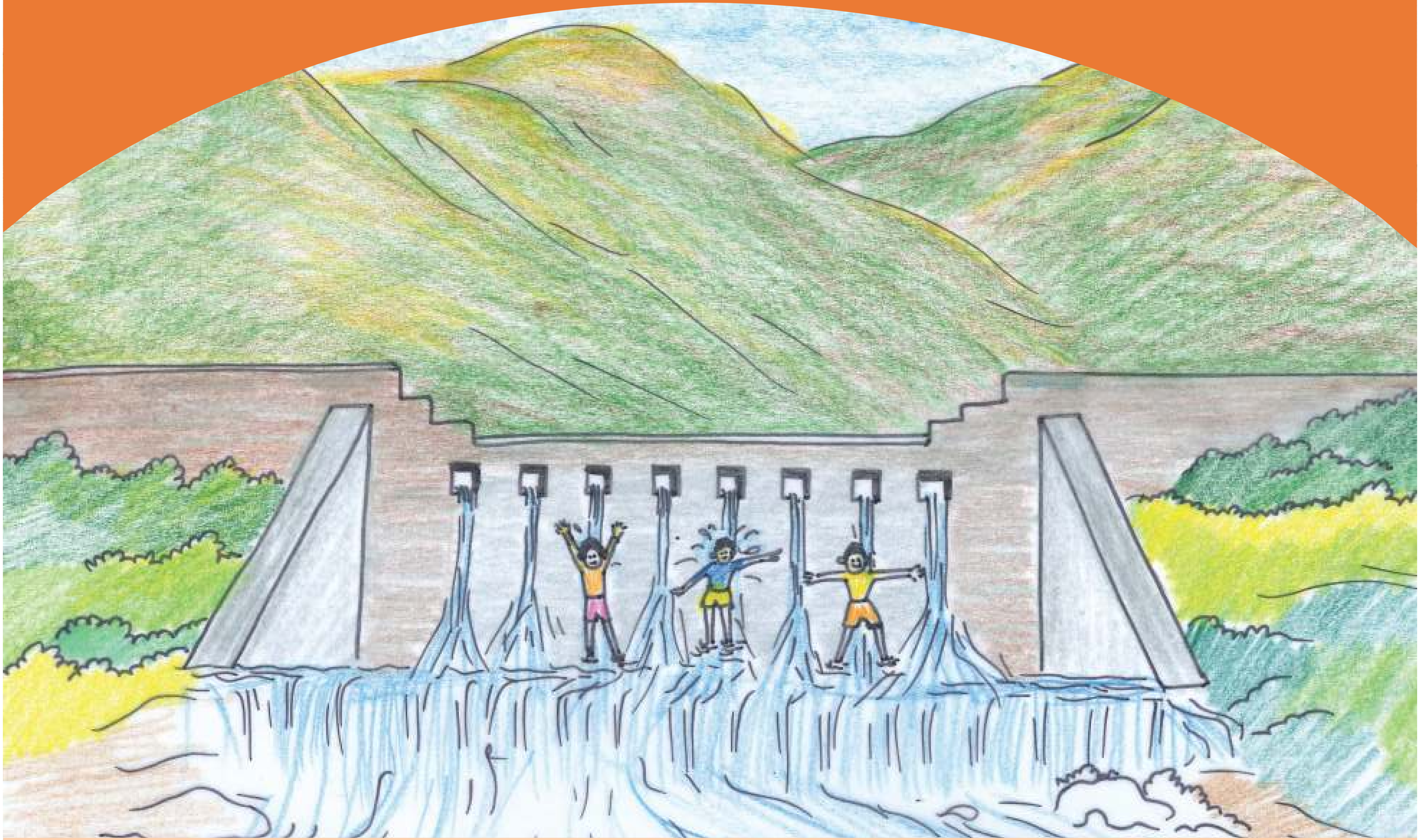

समुदाय की भागीदारी निश्चित करना

- योजना के हर चरण में समुदाय की भागीदारी बहुत आवश्यक है। इस कार्य के लिए चाहे सरकार पैसा दे रही हो या एन. जी. ओ.।
- योजना से प्रभावित होने वाले लोगों की कार्य में मुख्य भूमिका इसकी भावी सफलता का पैमाना है।
- पंचायत को सरकारी व अन्य स्रोतों से संरचना के रख–रखाव के लिए धन इकट्ठा करना चाहिए व पंचायत को सरकार व अन्य विभागों से तालमेल बढ़ाना चाहिए।

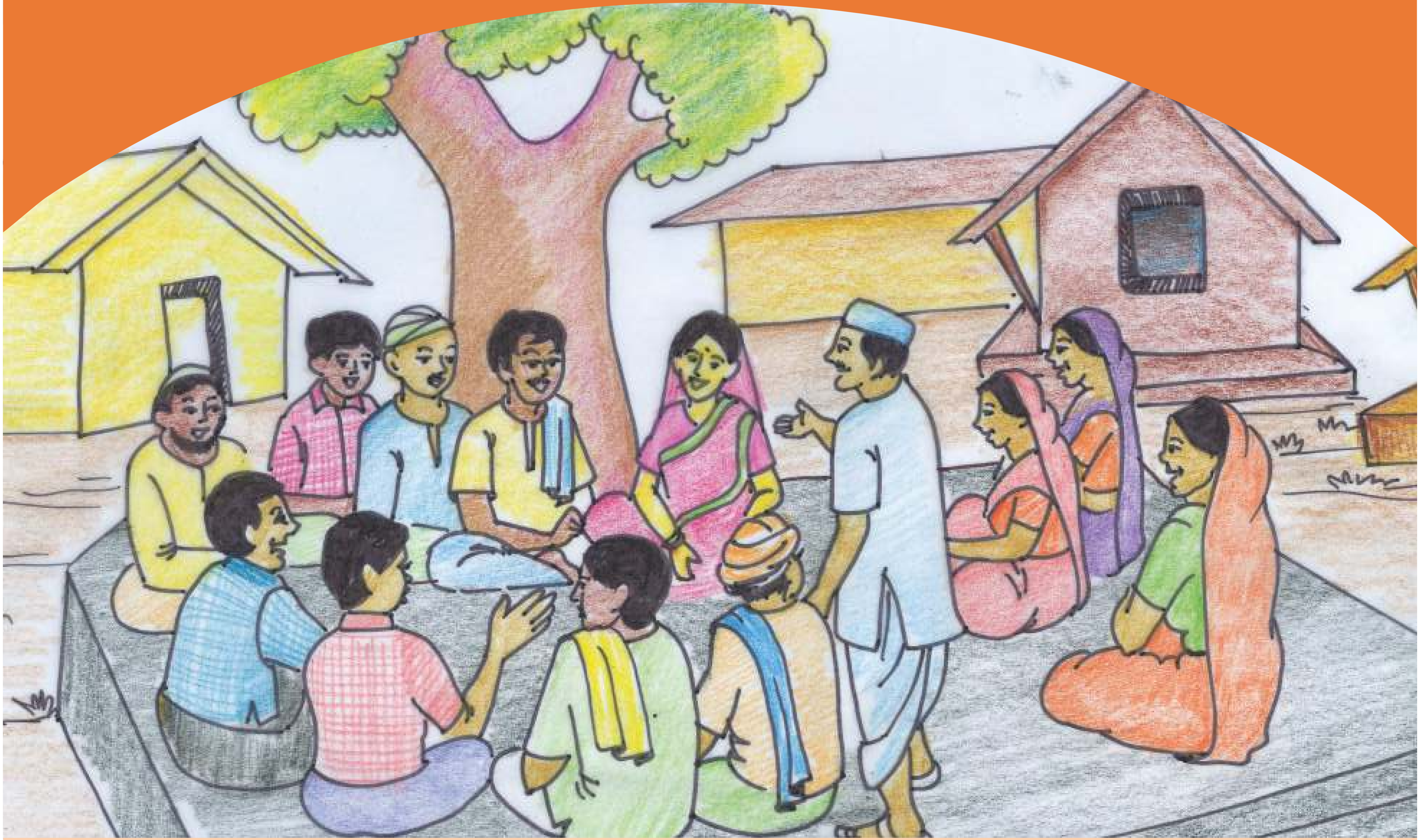

वर्षा जल संचय के लिए बनाई जाने वाली संरचना की सुरक्षा

- वर्षा जल भरण संरचना के लिए पहली बारिश परीक्षा की घड़ी है। वर्षा जल का भरण कैसे हो रहा है, संरचना अचानक आने वाले इस जल के वेग को सहन कर पा रही है या नहीं, यह सब देखने के लिए पूरे समुदाय की उपस्थिति आवश्यक है।
- पूर्व योजना इसलिए जरूरी है क्योंकि जल भरण संरचना की देख–रेख व इसकी मरम्मत का कार्य उसी दिन से शुरू होता है जिस दिन से इस संरचना में बरसात का पानी भरना शुरू हो जाता है। संरचना के लिए समुदाय खुद जिम्मेदार है।

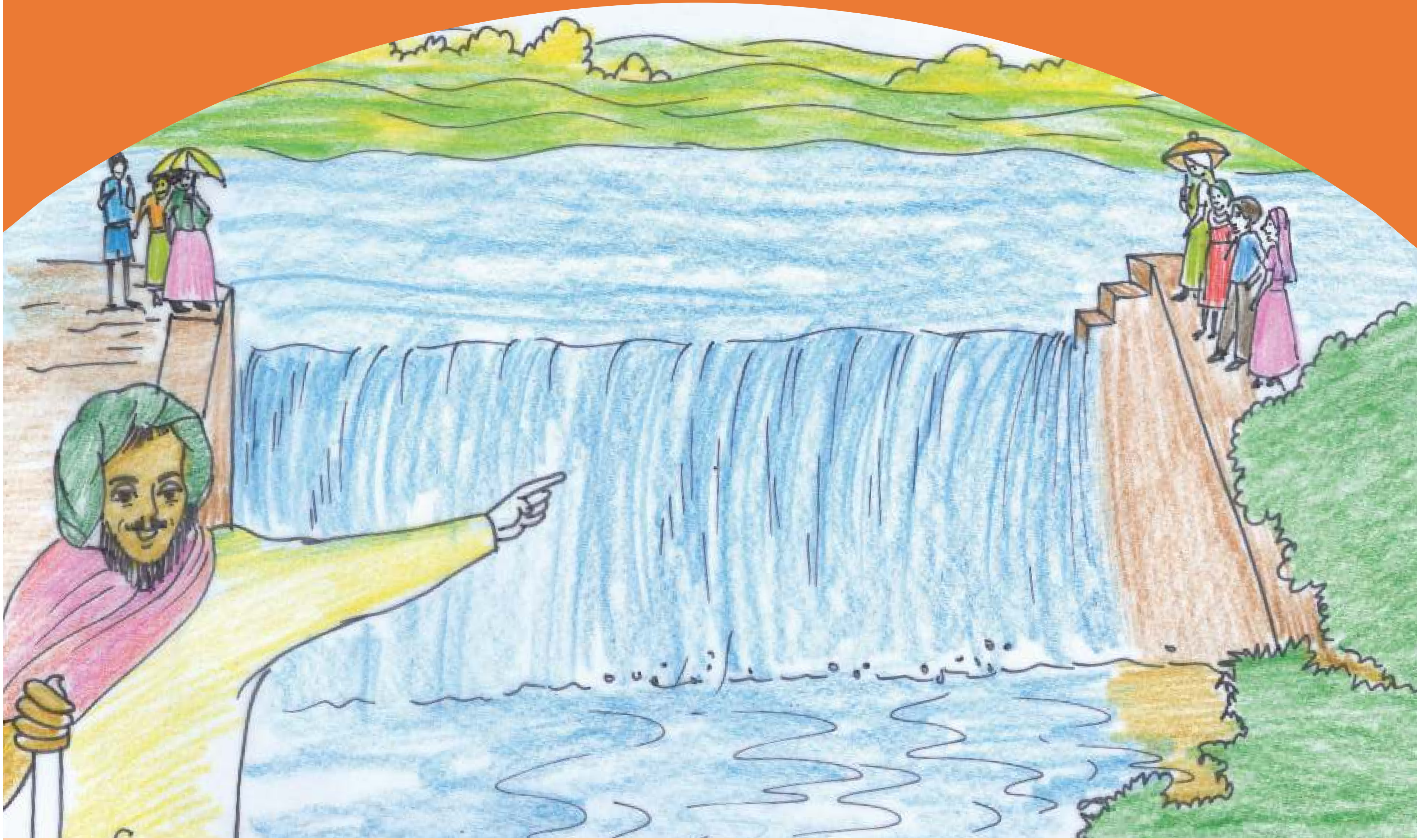

सफलता की गारंटी

- योजना की सफलता की गारंटी के लिए सबसे ज़रूरी तो यह है कि जिस काम की जहाँ ज़रूरत है उसका सम्पूर्ण प्रबंध भी वहीं कर लिया जाए। चाहे वह आवश्यक धन हो या कोई अन्य जरूरत।
- समुदाय को लगे कि यह योजना हमारी खुद की है। समुदाय को इसके रख–रखाव की ज़िम्मेदारी भी लेनी चाहिए।
- मरम्मत कमेटी का गठन करें एवं किसी एक या दो व्यक्ति को ज़िम्मेदारी दें।

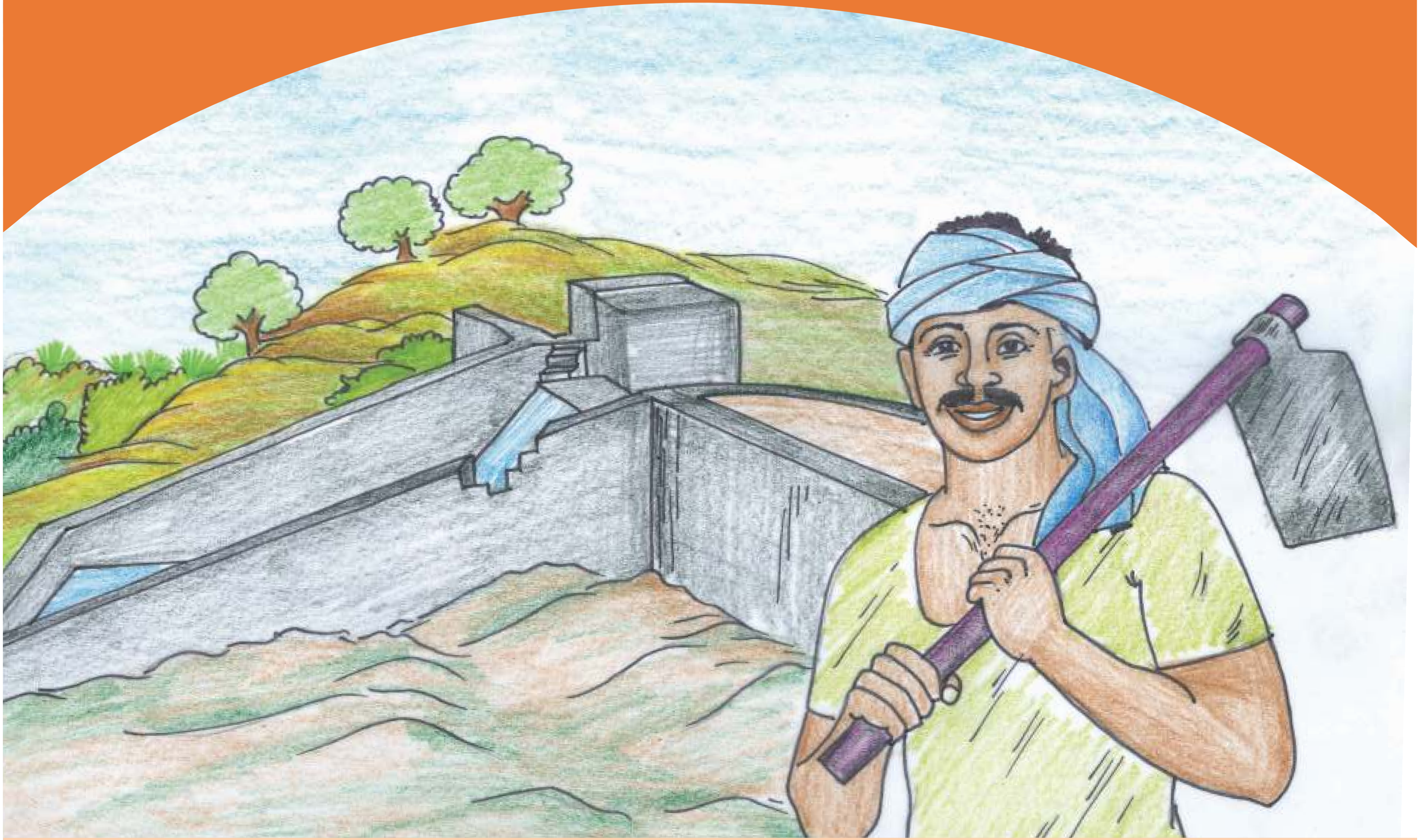

संरचना का रखरखाव

- सरंचना के पास एक बोर्ड लगाएं उस जगह जहाँ लोगों का आवागमन ज़्यादा हो। बोर्ड पर लिखें कि यह संरचना समुदाय का सामूहिक प्रयास है।
- अपील करें कि इस प्रयास को कोई नुकसान न पहुंचें।
- यह भी लिखें कि किसी भी तरह का नुकसान या टूट–फूट देखने की स्थिति में समुदाय के अमुक व्यक्ति को सूचित करें।

बांध से संबंधित
कोई भी सूचना के
लिए ________ नंबर
पर सूचित करें

वर्षा जल संचय

- वर्षा जल संचय करने से पहले इससे मिलने वाले अतिरिक्त जल के उपयोग के बारे में सोचना व उस पर योजना बना कर अमल करना वर्षा जल संचय संरचना की सफलता के लिए आवश्यक कदम है।
- वर्षा जल संचय के लिए बनाई जाने वाली संरचना की सुरक्षा कैसे होगी, इसे कौन अंजाम देगा, सफाई कितनी बार होगी, इस कार्य में आवश्यक वित्त की व्यवस्था कहाँ से और कैसे होगी जैसी बातें भी योजना का अहम हिस्सा हो।

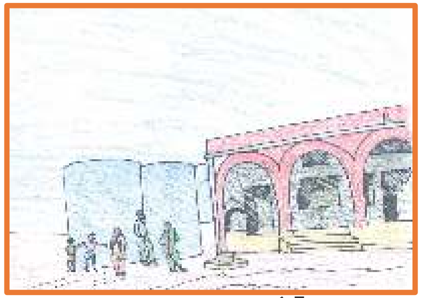

कुछ और बातों का ध्यान रखें

- बारिश से पहले छत व पानी की टंकी की सफाई करें।
- अगर संरचना का आकार बड़ा है तो मिलकर सफाई करें।
- बारिश से पहले पानी टैंक के अंदर ले जाने वाले व टैंक से बाहर पानी ले जाने वाले पाईपों की स्थिति जाँच लें। ज़रूरत हो तो मरम्मत करें।
- फिल्ट्रेशन चैम्बर की यथा समय पर सफाई करें।
- पहली बारिश का पानी टैंक में भरने से पहले 10–15 मिनट तक पानी को बाहर बहने दें ताकि पानी में मिली हुई अशुद्धियाँ टैंक में नहीं जा पाएं।

पानी के रख-रखाव में महिलाओं की अहम भूमिका है क्योंकि पानी का कार्य महिलाओं के दैनिक कार्यों से जुड़ा है। इसलिए महिलाओं को पानी के कार्य के लिए जिम्मेदार कमेटी में अवश्य शामिल करना चाहिए।

दैनिक जीवन में कैसे करें पानी की बचत

- घर का नल कभी टपकने न दें। किसी भी नल से अगर प्रति सेकंड एक बूँद पानी टपकता है तो एक दिन में करीब 30 लीटर पानी व्यर्थ बह जाता है। अर्थात एक वर्ष में 10000 लीटर पानी की बर्बादी। टपकती हुई टोंटी तुरंत बदलें।
- घर के साथ–साथ सार्वजनिक नलों आदि पर भी ध्यान दें। यदि वह बह रहे हैं तो यह न केवल सामूहिक बल्कि निजी नुकसान की भी श्रेणी में आता है।

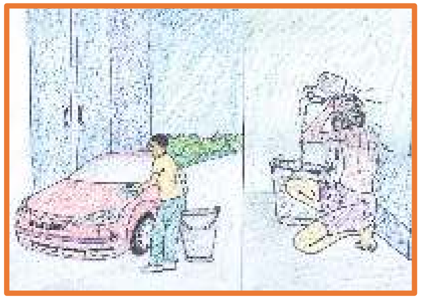

- नहाने के लिए बालटी का इस्तेमाल– फव्वारे से नहाने में 180 लीटर पानी खर्च होता है जबकि एक बालटी पानी से नहाने में सिर्फ 18 लीटर ही पानी काम में आता है।
- वाहन धोने का काम भी बालटी से– नल द्वारा सीधे वाहन धोने में 25 लीटर पानी खर्च होता है जबकि गीले कपड़े से पोंछने पर सिर्फ एक बालटी पानी से काम चल जाता है।

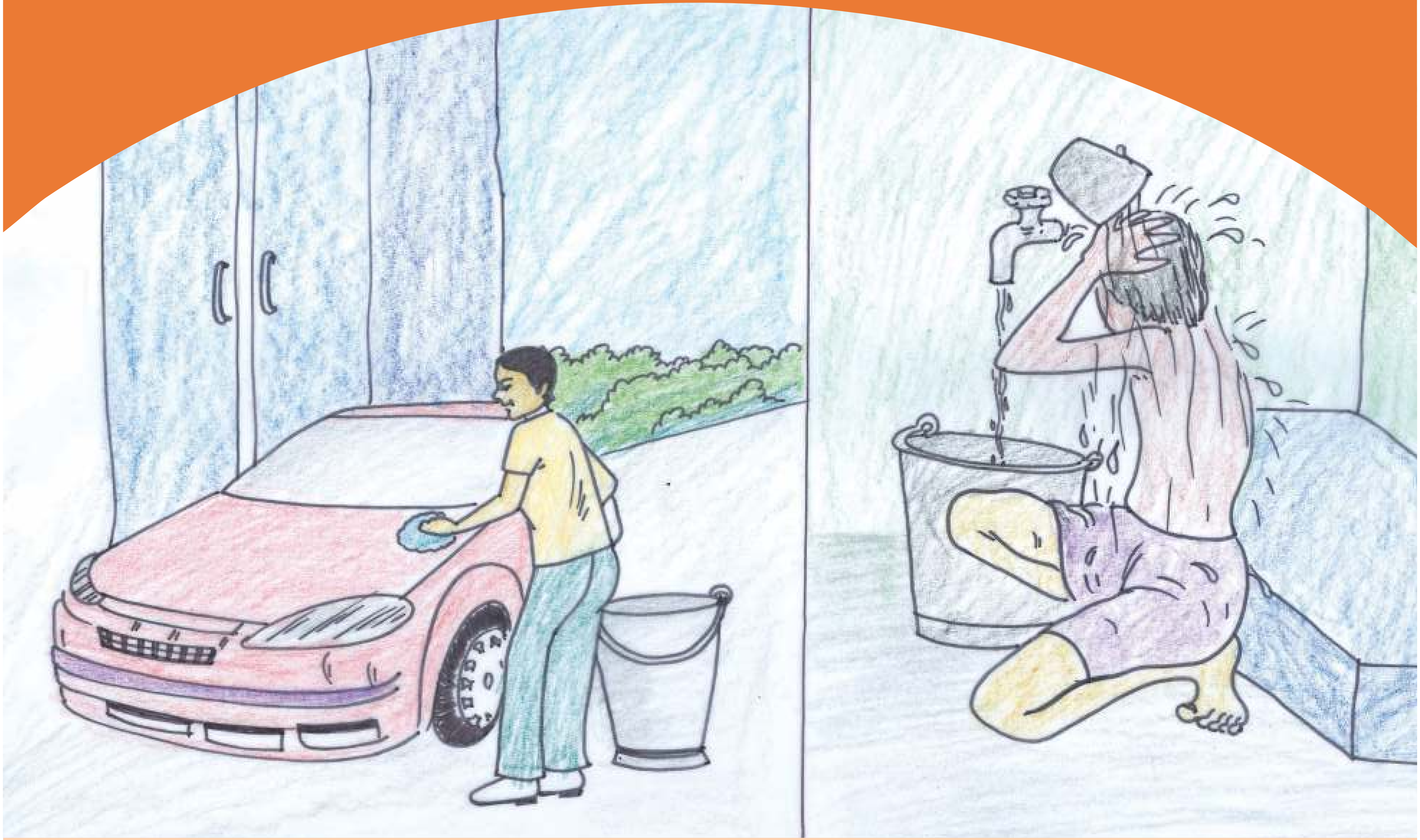

डिब्बा छोटा, बचत बड़ी

- डिब्बे में पानी लेकर दांत ब्रश करने में सिर्फ एक लीटर पानी उपयोग में आता है। वही नल खोल कर इसी कार्य में 10 लीटर पानी बर्बाद हो जाता है।

- पानी की टंकी से बहते पानी को तुरंत ठीक करें।
- यदि पानी बह रहा है तो यह न केवल सामूहिक बल्कि निजी नुकसान की भी श्रेणी में आता है।

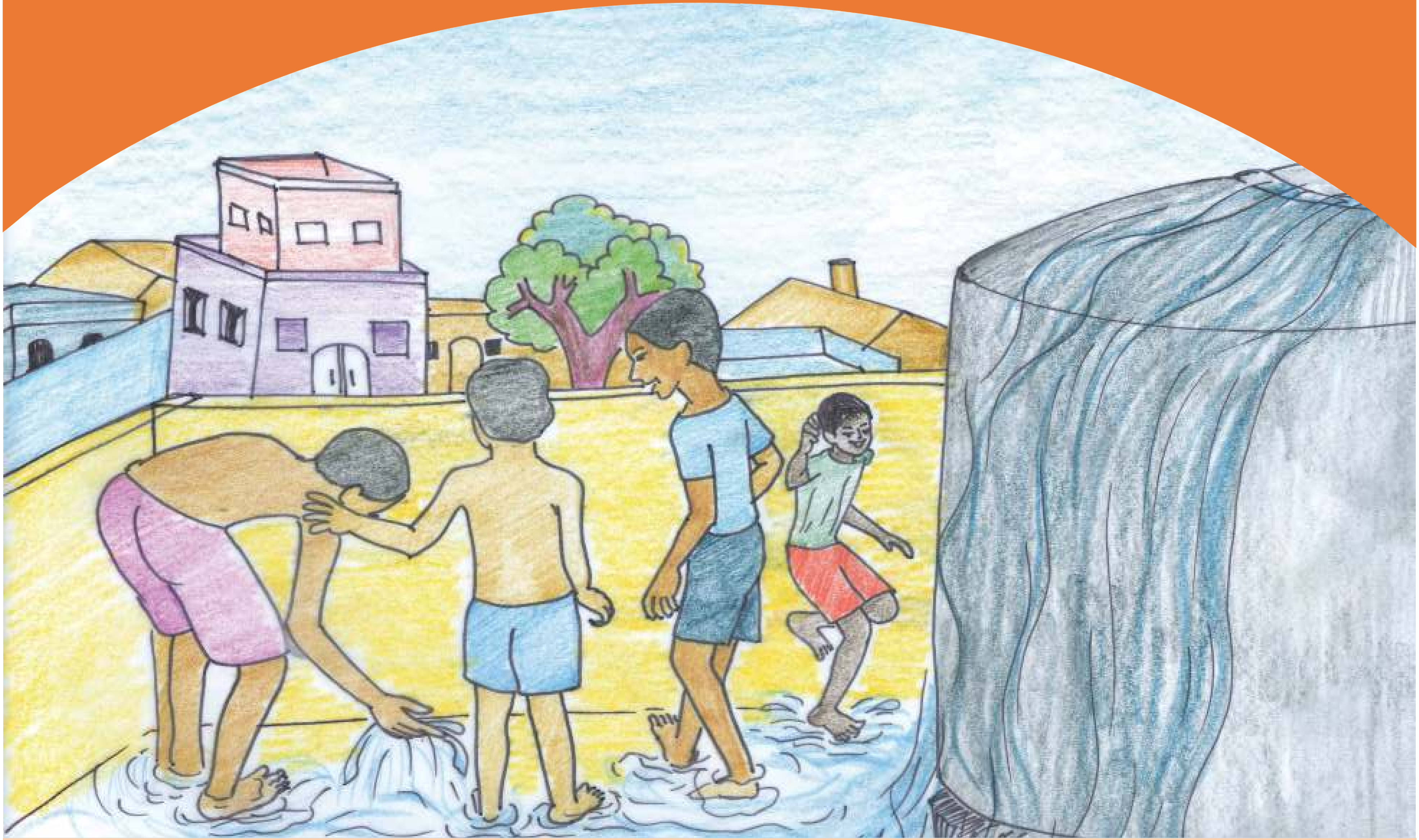

एस एम सहगल फाउंडेशन
प्लॉट नंबर 34, सेक्टर 44, इंस्टिट्यूशनल एरिया,
गुरूग्राम – 122003, हरियाणा, फोनः +91-124-4744100
ई–मेलः smsf@smsfoundation.org
वेबसाइटः www.smsfoundation.org